

सत री संगत गंगा गोमती भजन लिरिक्स



सत री संगत गंगा गोमती,
सुरसत काशी प्रयागा हो,
लाखो पापीड़ा इणमे उबरे,
डर जमड़ो भागा हो,
सत री संगत गंगा गोमती रे हा।bd।

ए भई ध्रुवजी और प्रह्लाद ने,
सतसंग नारद जी से किनी ओ,
विष्णुपुरी वेकुण्ठ में,
सुरपति आदर दिनी ओ,
सत री संगत गंगा गोमती,
सुरसत काशी प्रयागा हो,
लाखो पापीड़ा इणमे उबरे,
डर जमड़ो भागा हो,
सत री संगत गंगा गोमती रे हा।bd।

अरे भई रतना करमा सबरी भीलणी,
चेना धन्ना पीपा नेमा ओ,
सतरी संगत परताप सु,
पाया उत्तम धामा ओ,
सत री संगत गंगा गोमती,
सुरसत काशी प्रयागा हो,
लाखो पापीड़ा इणमे उबरे,
डर जमड़ो भागा हो,
सत री संगत गंगा गोमती रे हा।bd।

ए भाई शेष खाना रो रे बादशाह,
राज क्या चितलाई ओ,
सतसंग रे परताप सु,
भूपा भेट चढाई ओ,
सत री संगत गंगा गोमती,
सुरसत काशी प्रयागा हो,
लाखो पापीड़ा इणमे उबरे,
डर जमड़ो भागा हो,
सत री संगत गंगा गोमती रे हा।bd।



ए भाई जिण रे भूमि सु रघुवर निसरया,
रज चरणो रे लागी ओ,
चरण पखारत अहिल्या उबरी,
दिल री दुरमत भागी ओ,
सत री संगत गंगा गोंमती,
सुरसत काशी प्रयागा हो,
लाखो पापीड़ा इणमे उबरे,
डर जमड़ो भागा हो,
सत री संगत गंगा गोंमती रे हा।bd।

ए भाई धूड़ धरे गज सीश पर,
ईश्वर मन भाई ओ,
जिण रे रज सू अहिल्या उबरी,
वो रज खोजे गजराजा ओ,
सत री संगत गंगा गोंमती,
सुरसत काशी प्रयागा हो,
लाखो पापीड़ा इणमे उबरे,
डर जमड़ो भागा हो,
सत री संगत गंगा गोंमती रे हा।bd।

सत री संगत गंगा गोमती,
सुरसत काशी प्रयागा हो,
लाखो पापीड़ा इणमे उबरे,
डर जमड़ो भागा हो,
सत री संगत गंगा गोंमती रे हा।bd।

गायक – प्रकाश माली जी ।
प्रेषक – पुखराज पटेल बांटा
9784417723